TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4299**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

वंदणं॥पडिक्कमा

प ३

॥पि०॥ नमोअरिहंताणं।करेमिभंतेसामाइयं०।चत्तारिमंगलं०॥इच्छामिपडिक्कमिउंजोमेदेवसि०।इच्छामिपडि
मिवा॥ वारवारसूइरहिवउ॥ संथारउ उथलइ ॥ पासूं फेरवउं॥ वलीवीजइपासइ। इधावउं।
क्कमउं इरियाव०।इच्छामिपडिक्कमउंपगामसिज्जाएनिगामसिज्जाए।उव्वट्टणाएपरिअट्टणाए।आउंटणाए।पसारणाए।छ
जूनइ संघट्टइ। कसितां खांसतां॥ छींक जंभाई। सचित्तरजसुं स्पर्शी॥ स्त्री नामरि सोणा। स्वप्न
प्पईसंघट्टणाए।कूइए।कक्कराइए।छीए।जंभाइए।आमोसेससरक्खामोसे।आउलमाउलाए।सुणवत्तियाए।इत्थीविप्प
मित्र। स्त्री नइ द
रीयासीयाए।दिट्ठीविप्परिआसीआए।मणविप्परियासिआए।पाणभोअणविप्परियासियाए।जोमेदेवसिउ।अइआरक
उ।तस्समिच्छामिदुक्कडं।पडिक्कमामिगोयरचरियाए।भिक्खायरियाए।उग्घाडकवाड।उग्घाडणाए।साणावच्छादारासंघट्टणा
ए।मंडीपाहुडियाए।बलिपाहुडियाए।ठवणापाहुडीयाए।संकिए।सहस्सागारिए।अणेसणाए।पाणभोअणाए।बी
अभोअणाए।हरिअभोअणाए।पच्छाकम्मिआए।पुरेकम्मिआए।अदिट्ठहडाए।दगसंसट्ठहडाए।रयसंसट्ठहडाए।
पारिसाडणियाए।पारिठावणियाए।ओहासणभिक्खाए।जंउग्गमेणं।उप्पायणेसणाए।अपरिसुद्धं।परिगहियं

जनपरछवियै

सोगविवा॥ ढेनपरठविया॥हेनतेमिछाइ॥ मिदुक ॥ दिनयाविषिषहिलिरेहें हन्निपारसिहसगायाननउभणाकरवेउ॥ दिसनियदहिछेहलिपोरलि।माड़

परिलिलंवा।तस्समिछामिदुकडं।पडिकमामि।चाउकाउलस्सझायस्सअकरणीयाए।उभउकालं।भंडोवगरणस्स

केहिन्टषहनहं नेवनदेहपिपडिलेहणाइ ॥ कीधी ॥ इत्यादिनाअतिचार ॥ निकमि ॥ अतिक्रमिइं॥ अतीचारिइं॥

गरणस्स।अपडिलेहणाए।दुपडिलेहणाए।अपमजणाए।दुपमजणाए।अइकाम।वइकाम।अईयाए।

अनाचार॥ जमइंदिवससंबंधीअती ।तनिमिछामिदुक्कडं॥ चारकीधउइ॥ एकविधअसंयमअविरतिलक्षणतेथिकउनिव र्तेउं॥ रागद्वेषबं

अणायार।जोमादेवसिउ।अईआराकौतस्समिछामिदुकडं।पडिकमामिएगविहेअसंजम।पडिक

धनथिकउनिवर्तेउं॥ रागद्वेषबंधनहिविनविवर्तमपडिक्कमामिनिवरतउं॥ मनोदंड॥ वचनदंड॥

मामिदोहिबंधणहिंराग।बंधणेणं।दोसबंधणेणं।पडिक्कमामितिहिंदंडहिं।मणदंडणं।वयदंडणं।का

कायदंडकरी॥ अतिक्रमतउं॥ मनोगुप्ति॥ वचनगुप्ति॥ कायगुप्ति॥ त्रिणिशल्यातहथिकीनिवर्तेउं॥

यदंडेणं।पडिकमामितिहिंगुत्तीहिं।मणगुत्तीए।वयगुत्तीए।कायगुत्तीए।पडिकमामितिहिंसल्लेहिं।

मायानइशल्य॥ बापरूपनिदानसल्य॥ विपरीतदर्शक॥ त्रिणिगारवथिकउनिवर्तउं॥ रद्धि[illegible]गारव।

मायासल्लेणं।नियाणसल्लेणं।मिछादंसणसल्लेणं।पडिकमामितिहिंगारवेहिं।इड्डीगारवेणं।रस

रसगारवेणं॥ सातगारव॥ त्रिणिविराधनथिकउविरमउं॥ ज्ञानविराहणा॥ दर्शनविराधना॥

गारवणं।सायागारवेणं।पडिक्कमामितिहिं।विराहणाए।नाणविराहणाए।दंसणविराहणाए

ए चारित्र ११११११११११११११२३२२११२२२ १

विराधना॥ निवर्तउंचारिकषायथिकउं॥ क्रोधकषाय॥ मानकषाय॥ लोभकषाय॥ पडिकमउं॥चा

रा विंदाहणाए।पडिक्कमामिचउहिंकसाएहिं।कोहकसाएणं।माणकसाएणं।मायाकसाएणं।लोहकसाएणं।पडिक्कमामिचउहिंस कसाए णंपडि

रिसंज्ञाथिकउ॥ आहारसन्या॥ भयसंज्ञा॥ मैथुनसंज्ञा॥ तिम्हलोभोदयथिकउं॥ पडिकमउं॥ च्यारिविकथाथिकउं॥ स्त्रीकथा॥

न्नाहिं।आहारसन्नाए।भयसन्नाए।मेहुणसन्नाए।परिगाहसन्नाए।पडिक्कमामिचउहिंविकहाहिं।इत्थिक

भक्तंदनानिद्दि॥ देशकथा॥ राजकथा॥ पडिक्कमउं॥ च्यारिध्यानथिकउं॥ आर्तध्यान॥ रुद्रध्यान॥

हाए।भत्तकहाए।देसकहाए।रायकहाए।पडिक्कमामिचउहिंझाणेहिं।अट्टेणंझाणेणं।रुद्देणंझाणेणं।

धर्मध्यान॥ शुक्लध्यान॥ पडिक्कमउंचक्रियाथिकउं॥ कायकीअधिकरणकी॥

धम्मेणंझाणेणं।धम्मेणंझाणेणं।सुक्केणंझाणेणं।पडिक्कमामिपंचहिंकिरियाहिंकाइयाए।अहिगरणी

प्रद्वेषकी॥ परितापनकी॥ प्राणातिपातकी॥ पडिक्कमामिपांचकामगुणथिकउ॥ शब्द रूप

याए।पाउसियाए।पारितावणीयाए।पाणाइवाइकिरियाए।पडिक्कमामिपंचहिंकामगुणेहिं।सद्देणं।रूव

रस गंध स्पर्श॥ पडिक्कमउंछउंपांचमहाव्रतनपालियांहुइं॥ प्राणातिपातथिकउंविरमउं॥ मृषावादविरमण॥

णं।रसेणं।गंधेणं।फासेणं।पडिक्कमामिपंचहिंमहव्वएहिं।पाणाइवायाउवेरमणं।मुसावायाउवेरमणं।

अदत्तादानविरमण॥ मैथुनथिकउविरमण॥ परिग्रहथिकउविरमण॥ पडिक्कमउंछउंप्रतिषिद्धइंकरवइं॥ इर्यासमिति॥

अदिन्नादाणाउवेरमणं।मेहुणाउवेरमणं।परिग्गहाउवेरमणं।पडिक्कमामिपंचहिंसमईहिं।इरियासमि 2

भाषासमिति॥ एषणासमिति॥ वस्त्रपात्रपडिलेहणासूक्तं॥ विष्टा॥ मूत्र॥ मुख॥ श्लेष्ममल॥ नासिकामलतेहनुपरठवणेविधिइं

ए॥ भासासमिए॥ एसणासमिए॥ आयाणभंडमत्तनिक्खेवणासमिए॥ उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिठावणियासमि

जीवनिकायनिषिद्धपणइं चलितचालवीतेपडि॥ पृथ्वीकाय॥ अपकाय॥ तेउकाय॥ वाउकाय॥ वनस्पती॥

एए॥ पडिक्कमामि छहिं जीवनिकाएहिं॥ पुढविकाएणं॥ आउकाएणं॥ तेउकाएणं॥ वाउकाएणं॥ वणस्सइकाए

त्रसकाय॥ प्रवृत्तिविपरीतकरणे दिअतीचारपडिकमउं॥ कृष्णलेस्या॥ नीललेस्या॥ कापोतलेस्या॥ तेजोलेस्या॥ पद्मलेस्या॥ शुक्लले

णं॥ तसकाएणं॥ पडिक्कमामि छहिं लेसाहिं॥ किण्हलेसाए॥ नीललेसाए॥ काउलेसाए॥ तेउलेसाए॥ पम्हलेसाए॥ सुक्क

सा॥ पडिकमउं॥ सप्तभय॥ सुनेकथिकउं॥ जातिमदप्रमुख आठमद॥ नववाडब्रह्मचर्य॥ गुप्ति॥ क्षमाआर्जवप्रमुख दस विध श्रमण॥

लेसाए॥ पडिक्कमामि सत्तहिं भयठाणेहिं॥ अट्ठहिं मयट्ठाणेहिं॥ नवहिं बंभचेरगुत्तीहिं॥ दसविहे समणधम्मे॥ इगारसहिं

धर्म॥ श्रावकनी आर॥ साधनी एकमासादिक प्रतिमा॥ अघोदंडप्रमुख॥ १३ क्रिया॥ एगिंदियसुहुमियासप्रमुख १४ जीवभेद॥ अंबप्रमुख पन

उवासगपडिमाहिं॥ बारसहिं भिक्खुपडिमाहिं॥ तेरसहिं किरियाठाणेहिं॥ चउदसहिं भूयगामेहिं॥ पन्नरसहिं परमा

रयरमाधार्मी॥ सूयगडांगप्रथमश्रुतस्कंधि॥ सोलअध्ययन॥ सत्तरभेद असंयम॥ अढारभेद अब्रह्म॥ उगणीसज्ञाताअध्ययन॥ डीक्वरीप्रमुख २० असमाधिगाम॥

हम्मिएहिं॥ सोलसहिं गाहासोलसएहिं॥ सत्तरसविहे असंजमे॥ अट्ठारसविहे अबंभे॥ एगुणवीसाए नायज्झयणे

असमाधिगाम॥ एकवीससबल॥ बावीसपरिसह॥ त्रेवीससूगडा॥ गतांअध्ययन॥ चउवीसदे

हिं॥ वीसाए असमाहिठाणेहिं॥ एगवीसाए सबलेहिं॥ बावीसाए परीसहेहिं॥ तेवीसाए सूयगडज्झयणेहिं॥ चउवीसा २

वनाभेद॥ महाव्रतनी पचवीस भावना॥ दशाकल्पव्यवहारना २६ उद्देसाकाल॥ सत्तावीससाधुनागुण॥

एदेवेहिं॥ पंचवीसाए भावणाहिं॥ छवीसाए दसाकप्पववहाराणं उद्देसणकालेहिं॥ सत्तावीसाए अणगारगुणेहिं॥ अ

ठवीस आचार॥ कल्पाध्ययन॥ ओगणत्रीसपापश्रुतप्रसंग॥ त्रीसमोहनीनाठाम॥ तीसाए मोहनीनाठाम॥ एकत्रीससिद्धनागुण॥

ट्ठावीसाए आयारपकप्पेहिं॥ एगुणतीसाए पावसुयपसंगेहिं॥ तीसाए मोहणीयठाणेहिं॥ इगतीसाए सिद्धाइगुणेहिं॥ सिद्ध

बत्रीसायोगसंग्रह॥ गुरुनी तेत्रीस आसातना जाणतां कामने॥ नीगवई॥ सिद्धनी एवं आशातना करइ॥ तकरइ॥ अल्पबुद्धि

बत्तीसाए जोगसंगहेहिं॥ तित्तीसाए आसायणाए॥ अरिहंताणं आसायणाए॥ सिद्धाणं आसायणाए॥ आयरियाणं आसाय

आचार्य॥ अल्पबुद्धि एहवा उपाध्याय॥ कामदेवदेव॥ चवीरती॥ इमदेवाना॥ साधीनी आसातना उपगरणघरणेंधरइ॥ उकृष्टविरति

णाए॥ उवज्झायाणं आसायणाए॥ साहूणं आसायणाए॥ साहुणीणं आसायणाए॥ सावयाणं आसायणाए॥ सावियाणं आसा

नथीकरता॥ इमश्राविकानी आसातना॥ प्रोढीप्ररूपणा॥ परलोकप्रेटउं प्रकासइ॥ प्राकृतवचन पापमोधिवोधि॥ उत्सघवानज्ञाणीइं

यणाए॥ देवाणं आसायणाए॥ देवीणं आसायणाए॥ इहलोगस्स आसायणाए॥ परलोगस्स आसायणाए॥ केवलिपन्नत्तस्स धम्मस्स आसाय

कहिवाइं प्रकासिउं कइ॥ वितथप्ररूपणा॥ इवीप्रभु स्वभाव॥ वइंदी आदिकत्रस तदनीप्ररूपणा मोटाकरइ॥ नास्तिकोलि॥ अथवा काल

णाए॥ सदेवमणुयासुरस्स लोगस्स आसायणाए॥ सव्वपाणभूयजीवसत्ताणं आसायणाए॥ कालस्स आसायणाए॥

चिकउ विचलेइं॥ सूत्रनी आ एको आडउरस कालीइ॥ नयदेवनाध्यवाघ किं चितकरी॥ परबुःखवुजाणपधाणीवारवांदणादेव॥ रावइंकेवाइहं

सुत्रस्स आसायणाए॥ सुयदेवयाए आसायणाए॥ वायणायरियस्स आसायणाए॥ जं वाइद्धं वच्चामेलियं हीणक्खरियं अ ३

इति ४॥ वाइकेवली विरयीको लिखनी॥ कपातसनीयति॥ ... ॥ ... ॥ ... ॥ ...यक॥ चरणेष
खरकरियपयहीणं विणयहीणंघासहीणं॥ ञागहीणं॥ खदुदिनंदुहु यरिछिं॥ अकालेकउ सञ्झाउ॥ कालेनकउसञ्झा 3
हारं॥ रुउ उडी धर्ड॥ दुष्ट्यलडूंवांछितं॥ अलिसकायकीधउं॥ कालिनकीधउं॥ सैचसीमाइ ... ध्यायकरिउं॥ स्वाध्याय छितइनेसञ्झायकरवा॥ ध्यायकइ इछइ
उ॥ असञ्झाइए सञ्झाइयं॥ सञ्झाएनसञ्झाइयं तस्समिच्छामिदुकडं॥ नमोचउवीसाए तिच्छयराणं उसभायमहा
तइनसञ्झाइसुनमस्कारइ चउवीसतीर्थंकरनइं कादि॥ ऋषभादि॥ वर्द्धमानपर्यंत॥ आगोतरपरियदर ... कउ॥ केवलं
वीरपजवसाणाणं॥ इणमेवनिगंथंपावयणंसच्चंअणुत्तरं॥ केवलिअंपडिपुन्नंनआउयं संसुद्धं सल्लकत्तणं
नथीवीजउं प्रतिपूर्ण ... ॥ अत्रप्रवच ... ॥ सर्वलोकं ... ॥ ... ॥ कमत्रु ... ॥ मोक्षमार्ग॥ सकलकर्मनउ ... ॥ सत्य ... वहि
सिद्धिमगं विज्ञसामग्गं॥ मुत्तिमग्गं॥ निज्जाणमग्गं॥ निव्वाणमग्गं॥ अवितहमविसंधिंसव्वदुरकप्पहीणमग्गं॥ इ
न्नं॥ मर्वदुरवप्रहीणमार्ग॥ अत्रप्रवचने॥ जीवाणिमादिसिद्धिपामइ॥ केवलीथाइ॥ ... ॥ संसतानिर्वाणयनि ... ॥ ... धर्मसदहुं
च्छंठिआजीवासिझंति॥ बुझंति मुच्चंति॥ परिनिव्वायंति॥ सव्वदुरकाणमंतंकरंति॥ तंधम्मंसद्दहामिपत्तिआमि॥ रोएमि
उं॥ पडकहुं॥ अनिलाषकरउं॥ स्त्रामि॥ बलीरकरवइ॥ तेधर्मपूर्वोक्त॥ तिराउ ... ॥ आराधनानइ विषइ॥
॥ वेमि फासमि॥ अणुपालमि॥ तंधम्मंसद्दहंतो॥ पत्तिअंतो॥ रोयंतो॥ फासंतो॥ पालंतो॥ अणुपालंतो॥ तस्सधम्मस
विरत॥ विराधनाथिकउ॥ प्राणातिपातादिकउ असंयमपरिहरउं॥ संयमपडवजउं॥ अब्रह्मपरिहरउं॥ ब्रह्म अंगी
अब्भुट्ठिओमिआराहणाए विरओमिविराहणाए॥ असंजमंपरिआणामिसंजमंउवसंपज्जामि॥ अबंभंपरियाणामि 3

वयरिहरउं॥ सम्यक्त्व अंगीकरउं॥ ॥मिथ्यात्वकार्यपरिहरउं॥ बोधिअंगीकरउं॥ जेसंसारमिजेकार्इ संसारइ॥ जेकार्इ नसंसारइ॥ जेपडिकमउं॥ नेदिवसमं
जंउ बंभं ... मि॥ कप्पंउवसंपज्जामि॥ अन्नाणंपरियाणामि॥ नाणंउवसंपज्जामि॥ अकिरिअंपरिआणामि॥ किरियंउवसं
संप बंधी अनीचार तंपडकमवूंकरउं॥ अवतानवधादि॥
णामि पज्जामि॥ मिच्छत्तंपरिआणामि॥ सम्मत्तंउवसंपज्जामि॥ अबोहिंपरिआणामि॥ बोहिंउवसंपज्जामि॥ अ
संयत विरत॥ प्रतिह
मग्गंपरिआणामि॥ मग्गंउवसंपज्जामि॥ जंसंभरामि॥ जंचनसंभरामि॥ जंपडिक्कमामि॥ जंचनपडिक्क
तप्रत्याख्या॥ नपापकर्म॥
मामि॥ तस्ससव्वस्सदेवसिअस्सअईयारस्स॥ पडिक्कमामिसमणोहं॥ संजयविरयपडिहयपच्चक्खा
निदानरहित॥ सम्यक्दर्शनयुक्त॥ मायामृषावर्जित॥ अढाइद्वीपसमुद्रेषु॥ पनरकर्मभूमिनइविषइ॥
यपावकम्म॥ अनियाणो दिट्ठिसंपन्नो॥ मायामोसविवज्जिउं॥ अड्ढाइज्जेसुदीवसमुद्देसुपन्नरससु॥ क दीवस मु
जेकेहासाउं॥ रजोहरणगुच्छपडिग्गहनाधारक॥ पंचमहाव्रतनाधारक॥ अढारसहस्रसील॥ गधा
म्मभूमीसु॥ जावंतिकेविसाहू॥ रयहरणगुच्छपडिग्गहधरा॥ पंचमहव्वयधरा॥ अट्ठारसहस्ससी
धार॥ अष्टनाचारचरित्र॥ तेसर्वनइसिरसामनसामस्तकेनवांदूं॥ सर्वजीवप्रतिखामूं॥
लंगधरा॥ अरकयायारचरित्ता॥ तेसव्वेसिरसामणसावंदामि॥ खामेमिसव्वजीवेसव्वेजीवा 4
ग
म ण मा

मैत्रीभावसर्वजीवनइंविषइ॥वैरकहीसेंघातिंनहीं॥१॥इणइंप्रकारइंसचलोचना॥निंदिया॥गर्हीनइं॥दुगंछीनइं
स्वमंम्तामि॥मित्तीमसव्वभूएसु॥वरंमज्झनाकेणय१॥एवमहंआलोइअनिंदि॥अगरिहिअदुग
सम्यकप्रकारि॥त्रिविधेनपडिकमी॥तिनचउवीसप्रति॥२॥ ॥
छि अंसम्मंतिविहेणपडिक्कंतोवंदामिजिणाणचउव्वीसं॥इतिसाधुप्रक्रमणं॥ ॥श्री॥ ॥ ॥ ॥ ४